**Additional CEO-GVT distributed solar lamps to 722 students of a school in Pratapgarh on 27th Jan. 2016 under the SOUL Project being implemented by GVT**

# बिजली गई तो भी कर सकेंगे पढ़ाई

## घंटाली विद्यालय में 722 विद्यार्थियों को सोलर लैंप वितरित

प्रतापगढ़ @ पत्रिका

bhilwara@patrika.com

प्रतापगढ़. घंटाली स्कूल में छात्रों को सौलर लैंप वितरित करते अतिथि।

आईआईटी मुम्बई की ओर से संचालित, ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से क्रियान्वित नव एवं नवीनीकरण ऊर्जा मंत्रालय व आइडिया के सहयोग से मिलियन सोल (सौर ऊर्जा लैंप) परियोजना अन्तर्गत आदर्श राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घंटाली के विद्यार्थियों को सौलर लैंप वितरित किए गए। विद्यालय के प्रदीप शर्मा ने बताया की कक्षा 5 से 12 तक के 722 विद्यार्थियों को यह लैंप दिए गए। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. डब्ल्यू. एस. गुलेरिया ने कहा कि प्रत्येक बालक-बालिका को पढ़ने के लिए रोशनी मिले इस उद्देश्य से यह परियोजना संचालित की जा रही है। उन्होंने सोलर लैंप के लाभ के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा की यह सौर ऊर्जा से चलने वाला लैंप है।

बिजली नहीं होने की स्थिति में यह काफी उपयोगी साबित होता है। ऐसे में बिजली गुल होने पर भी विद्यार्थियों को अपने अध्ययन में किसी प्रकार की बाधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। वहीं इससे केरोसिन, लालटेन व चिमनी से होने वाले प्रदूषण से राहत रहती है। परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों और विद्यार्थियों तक सौर ऊर्जा लैंप की उपलब्धता कराना है। जिले में पीपलखूंट ब्लॉक के 5वीं से 12वीं तक के बच्चों को स्कूलों में यह लैंप दिए जाएंगे। डॉ. गुलेरिया ने नाबार्ड के सहयोग से ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से माही वाड़ी विकास समिति पीपलखूंट के माध्यम से 1000 किसानों के लिए क्रियान्वित समन्वित वाड़ी परियोजना का अवलोकन किया एवं लाभान्वित वाड़ी समिति के किसानों से रूबरू होकर इससे मिल रहे लाभों के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर सुब्रत सरकार आंचलिक कार्यक्रम प्रबन्धक ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने घंटाली स्कूल के विद्यार्थियों, माही वाड़ी विकास समिति पीपलखूंट के किसानों को फल प्रसंस्करण, मृदा एवं जल संरक्षण की विधियों, वित्तीय साक्षरता, वित्तीय समावेशन, समन्वित वाड़ी विकास की रणनीति के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। क्षेत्राय कार्यक्रम प्रबन्धक अनिल गुप्ता ने बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट गरीब एवं सीमान्त किसानों की उन्नत एवं स्थाई आजीविका विकास के लिए कार्यरत है। जिला प्रबन्धक उदयलाल गुर्जर ने स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत कार्यक्रम की जानकारी देते हुए स्कूली विद्यार्थियों एवं समन्वित वाड़ी से लाभान्वित किसानों को सतत् स्वच्छता के लिए शौचालय बनाने एवं इसके उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। आईआईटी मुम्बई के फील्ड ऑफिसर बिमलेन्दु मोहन पाण्डे ने बताया कि सौर ऊर्जा लेंप की बाजार की कीमत 500 रुपए है। अनुदान के कारण यह 120 रुपए का दिया जा रहा है। इसकी 12 माह तक निःशुल्क मरम्मत का भी प्रावधान रखा गया है। कार्यक्रम प्रबन्धक दुर्गेश त्रिवेदी ने बताया कि पीपलखूंट पंचायत समिति के 14 हजार विद्यार्थियों को सौर ऊर्जा लेंप संयोजन एवं वितरण के लिए केन्द्र स्थापित किया गया है।

# विद्यार्थियों को बांटे सौर ऊर्जा लैंप

पीपलखूंट। आईआईटी मुम्बई, नवीनीकरण ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार, आइडिया के सहयोग से ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने मिलियन सौल (सौर ऊर्जा लैंप) परियोजना अन्तर्गत आदर्श राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में छात्रों को सौर ऊर्जा लैम्प वितरित किए गए। इस अवसर पर डॉ. डब्ल्यू. एस. गुलेरिया अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्रामीण विकास ट्रस्ट, ने चिमनी की रोशनी में पढ़ाई के नुकसान और सौर ऊर्जा में पढ़ाई करने के लाभ बताए। इसके बाद डॉ. गुलेरिया ने नाबार्ड के सहयोग से माही वाड़ी विकास समिति पीपलखूंट के माध्यम से 1000 किसानों के लिए क्रियान्वित समन्वित वाड़ी परियोजना

का अवलोकन किया। जिला प्रबन्धक ग्रामीण विकास ट्रस्ट के उदयलाल गुर्जर ने स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। बिमलेंदु मोहन पांडे फिल्ड ऑफिसर आईआईटी मुम्बई ने बताया कि पीपलखूंट पंचायत समिति के 14000 विद्यार्थियों को सौर ऊर्जा लैम्प संयोजन व वितरण हेतु केन्द्र स्थापित किया।